

**वीर्यवान** वि. (तत्.) 1. बलवान, शक्तिशाली, पुष्ट, उत्साह-युक्त, मजबूत, अचूक, अमोघ 2. गुणकारी (औषध आदि)।

**वीर्यशुल्का स्त्री.** (तत्.) ऐसी कन्या जिसके विवाह आदि के लिए कोई शक्तिशाली शर्त रखी हो।

**वीर्याधान** पुं. (तत्.) गर्भाधान।

**वीसना** स.क्रि. (देश.) एक विशेष प्रकार का नृत्य करना अ.क्रि. विश्राम पाना।

**वुजू** पुं. (अर.) नमाज़ के लिए हाथ, पाँव, मुँह धोना।

**वुराना** अ.क्रि. (देश.) ओराना, ओर या सिरे पर आना, समाप्ति पर आना, डराना, व्यय होते-होते समाप्त होना, चुकना।

**वृंत** पुं. (तत्.) 1. स्तन का अगला भाग, कुचमुख, चूची, चूचुक 2. बौड़ी, ढेंड़ी, भंटा, कच्चा और छोटा फल, वह पतला डंठल जिस पर फूल लगा रहता है 3. घड़ींची, पल्हेड़ी, घड़ा रखने की तिपाई आदि।

**वृंत** वि. (तत्.) 1. नियुक्त, स्वीकृत, प्रार्थित, छाँटा हुआ, वरण किया, चुना हुआ, ढका हुआ, छिपा हुआ 2. घिरा हुआ, गोल, घेरा हुआ 3. दूषित किया हुआ, खराब किया हुआ, सेवित पुं. धन।

**वृता** स्त्री. (तत्.) काव्य. में एक छंद, वृत्ता।

**वृंतिका** स्त्री. (तत्.) छोटा डंठल।

**वृतिता** स्त्री (तत्.) कटुका।

**वृंद** पुं. (तत्.) 1. समूह, बड़ी संख्या, ढेर, समुच्चय, झुंड, दल, राशि, गुच्छा, एक मुहूर्त 2. सौ करोड़ की संख्या, अरब 3. सम्मिलित गान 4. गले का अर्बुद वि. बहु संख्यक।

**वृंदा** स्त्री. (तत्.) 1. तुलसी 2. राधिका का एक नाम।

**वृंदार** पुं. (तत्.) 1. देवता, किसी वस्तु का मुख्य अंश, श्रेष्ठजन, नायक, 2. धृतराष्ट्र का एक पुत्र 3. वृंदार।

**वृंदारका** स्त्री. (तत्.) वृंदारिका, वृंदारक का स्त्री रूप, देवी दे. वृंदारक।

**वृंदारवी** स्त्री. (तत्.) मान्य, उत्कृष्ट, प्रतिष्ठित, अत्यधिक।

**वृंदावन** पुं. (तत्.) 1. मथुरा के समीप एक प्रसिद्ध प्राचीन तीर्थ जो भगवान कृष्ण का क्रीड़ा क्षेत्र माना जाता है, वृंदारण्य 2. तुलसी के पौधों का समूह।

**वृंदावनेश्वर** पुं. (तत्.) कृष्ण।

**वृंदाविपिन** पुं. (तत्.) दे. वृंदावन।

**वृंदी** वि. (तत्.) दो में से अपेक्षाकृत बड़ा सुंदर, विशालतर, समूह वाला, समूहों में बँटा हुआ।

**वृक** पुं. (तत्.) 1. भेड़िया, लकड़बग्घा, शृगाल, गीदड़, डाकू, चोर, साही 2. कौवा, काक 3. पेट में स्थित अग्नि विशेष, जठराग्नि 3. क्षत्रिय, वज्र 4. चंद्रमा, सूर्य 5. एक वृक्ष, बकवृक्ष, अगस्त का वृक्ष, गंधा- बिरोजा, गंध द्रव्यों का मिश्रण 6. एक असुर 7. कृष्ण का एक पुत्र 8. मध्यप्रदेश का एक जनपद 9. उल्लू 10. डाकू, लुटेरा 11. तारपीन।

**वृकोदर** पुं. (तत्.) 1. भीम का एक नाम 2. ब्रह्मा का विशेषण 3. शिव का एक अनुचर स्वर्ग।

**वृक्क** पुं. (तत्.) गुर्दा, गुरदा। kidney

**वृक्का** स्त्री. (तत्.) हृदय, गुरदा, गुर्दा। kidney

**वृक्कण** वि. (तत्.) छिन्न, कटा हुआ, फटा हुआ, फाड़ा हुआ, तोड़ा हुआ।

**वृक्ष** पुं. (तत्.) 1. पेड़, द्रुम, रूख, पादप विटप, दरख्त कोई बड़ा क्षुप 2. कुल्हाड़ी 3. उद्दीपक पदार्थ 4. कुटज 5. बड़ का पेड़ 6. पियाल वृक्ष 7. कुरसीनामा वृक्ष से मिलती जुलती आकृति या उसके समान कोई चित्र जिसमें किसी चीज का मूल या उद्गम और उसकी अनेक शाखाएं, उपशाखाएं आदि दी गई हों जैसे- वंशवृक्ष।

**वृक्षचर** पुं. (तत्.) बंदर, वानर।

**वृक्ष-दोहद** पुं. (तत्.) 1. कुछ वृक्षों का विशेष उपायों से असमय में ही खिलने लगना 2. काव्य